



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 260]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 2005/आश्विन 5, 1927

No. 260]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2005/ASVINA 5, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2005

सं. 56 (आर ई-2005)/2004—2009

फा. सं. 01/91/171/17/एएम 06/पीसी-III.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा, सार्वजनिक सूचना सं. 27 (आरई-2005)/2004—2009 दिनांक 14 जुलाई, 2005 में निम्नलिखित शुद्धियां करते हैं :—

2. सार्वजनिक सूचना सं. 27 (आरई-2005)/2004—2009 दिनांक 14 जुलाई, 2005 के पैरा-2 और पैरा-5 (ग) में उल्लिखित "अन्तिबागर" शब्द को ठीक करके "ऐनबागर" शब्द पढ़ा जाएगा।

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

जी. के. पिल्लै, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 27th September, 2005

No. 56 (RE-2005)/2004—2009

F. No. 01/91/171/17/AM 06/PC-III.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, as amended, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following correction in the Public Notice No. 27 (RE-2005)/2004—2009, dated 14th July, 2005 :—

2. The word "Antibagar" mentioned in Para-2 and Para-5(c) of Public Notice No. 27 (RE-2005)/2004—2009, dated 14th July, 2005 may be corrected to read as "Ainbagar".

3. This issues in Public interest.

G.K. PILLAI, Director General of Foreign Trade